



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ346635	ImageGroup:	I4CZ346801
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	འཕགས་པ་ཤེས་རབ་ཀྱི་པ་རོལ་ཏུ་ཕྱིན་པ་ཡོན་ཏན་རིན་པོ་ཆེ་སྣང་པ་སོགས། 'phags pa shes rab kyi pha rol tu phyin pa yon tan rin po che sdud pa sogs/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

ॐ॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यद्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यद्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यद्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



2

ཆེ་སྒྲུང་པ་ཆེ་གསུམ་པ་ཅེས་པ། རལ་གསུམ་པ་རེ་མཛུགས་པ་
པ་ལྟུག་རེ་ཆེ་པ་ལོ། ། དེ་མཛུགས་པ་ཅེས་པ་ལྟུག་རེ་མཛུགས་པ་
ལྟུག་རེ་ཆེ་པ་ལོ། ། དེ་མཛུགས་པ་ཅེས་པ་ལྟུག་རེ་མཛུགས་པ་
ལྟུག་རེ་ཆེ་པ་ལོ། ། དེ་མཛུགས་པ་ཅེས་པ་ལྟུག་རེ་མཛུགས་པ་
ལྟུག་རེ་ཆེ་པ་ལོ། ། དེ་མཛུགས་པ་ཅེས་པ་ལྟུག་རེ་མཛུགས་པ་
ལྟུག་རེ་ཆེ་པ་ལོ། ། དེ་མཛུགས་པ་ཅེས་པ་ལྟུག་རེ་མཛུགས་པ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ~~नमो भगवते वासुदेवाय~~
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཅུ་འབབཅིང་། །མེད་པ་འབྲས་ལྷན་སྒྲུབ་དང་ཞུགས་ཆོས་སྒྲུབ་ཕྱིད་
པ། །མེད་པ་ཞུགས་པའི་ཀླུ་དབང་ཀླུ་པདྨ་པའི་ཞུགས་པ་ཏེ། །དེའི་ཀླུ་
ཡི་པདྨ་པའི་མེད་པ་ལ་ཡིན། །ཀླུ་པའི་ཉམས་ཐོས་པ་དག་ཇི་སྒྲུབ་
ཆོས་སྒྲུབ་དང་། །འཆད་དང་འཇགས་པ་དང་ལྷན་པར་བཞུགས་པ་དང་།
མེད་པ་འབྲས་པའི་ཀླུ་དབང་ཀླུ་པའི་ཞུགས་པ་ཏེ། །དེའི་ཀླུ་པའི་

[illegible]

ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་མི་དཔེ་གསུང་ལུ་སེམས་མི་དཔེ་གསུང་།།དེ་རྒྱུད་ཐོ་
ལས་མི་དཔའ་པ་མི་དཔེ་མི་རྒྱུ་ལོ།།ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་
ཐོ་སེམས་ཐོ་ལོ།།ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་
དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་
དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་
ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་
ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་ལུ་སེམས་དཔའ་དཔེ་མི་དཔེ་ཕུང་

༡༡། །རྩུ་རྒྱ་ཆུ་ཐུབ་ཕྱེད་ཅན་ཤེས་པ་ཡིས། །དམིགས་མཛད་ཕུང་པོ་
རྣམས་པར་འཛིག་པ་འཕུང་པ་ལྟར། །ཕུང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་གང་ཞིག་དེ་ལྟར་
ཆོས་ཤེས་པ། །ལུང་ནུང་སྤྲུལ་པ་སྤྲུལ་པ་དེ་ཆོས་ཤེས་པ་གནས། །ཡང་འདྲི་
ཤེས་པ་འདྲི་ནི་གང་ཡིན་སྟེ་ཡིན། །གང་པས་ཡིན་ཞེས་ཆོས་འདྲི་
ཅད་སྟེང་པར་ཆོག །ཉེ་བར་པར་ཀུན་སྤྲུལ་པ་མཛད་ཅིང་སྒྲིག་མེད། །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

拾

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मेदवदकेन । । नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मेदवदकेन । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ལྟོ། ། རྟེན་ལྗོངས་ཆེ་བ་ལྟེན་པ་ཡིན། ། གཤམ་ཏེ་སེམས་ཅན་ལྟེན་པ་
 ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་
 ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་
 ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་
 ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་
 ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་ལྟེན་པ་

[illegible]

འཕགས་པ་

༡༡། ། རྟེན་པ་ལྟ་བུ་དེ་མཉམ་མཆིང་གསལ་བ་རྟེན་པ་རྟེན་པ་། །
ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་རྟེན་པ་། ། རྟེན་པ་རྟེན་པ་
རྟེན་པ་རྟེན་པ་ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་རྟེན་པ་། །
རྟེན་པ་རྟེན་པ་ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་རྟེན་པ་། །
རྟེན་པ་རྟེན་པ་ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་ཆེན་པོ་མཉམ་པ་རྟེན་པ་རྟེན་པ་། །

། ལཱ་ལོ་ལོ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

सुखं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཀྱིང་ཆེད་དུ་སངས་རྒྱལ་ཆོས་རྒྱུས་སྟོབ་༥ ། གང་ཞིག་སྟོབ་མི་སྟོབ་པ་མི་སྟོབ་
དེ་སྟོབ་ཡིན༥ ། ག་ཟུག་སེལ་པ་ཡོད་པ་སྟུང་མས་དང་ཡོད་པ་སྟུག་ཟུང་
ཕྱིར་མིན༥ ། ཆོས་རྒྱལ་སྟུང་ཆོས་ཡོད་པ་སྟུག་ཟུང་ཕྱིར་མི་སྟོབ་པ་རྟོ༥ །
སྟོབ་ཅིང་ཐམས་ཅད་མཁུན་པ་ཀྱིང་ཆེད་དུ་སངས་རྒྱུས་རྒྱུས་༥ ། དེས་ཀྱང་
གང་ཡིན་པ་འདི་ནི་ཡོན་ཏན་དག་པ་འདི་སྟོབ་༥ ། ག་ཟུག་སེལ་པ་ཡོད་པ་སྟུང་མས་དང་ཡོད་པ་སྟུག་ཟུང་

[illegible]

ཕྱིར་པ་ཐོན་པ་དང་མཁུ་པ་། ལོ་རྒྱུ་ཐོན་པ་ཕྱིར་པ་འི་ཤེས་པ་
དེ་ཡང་མཁུ་པ་འཁོར་། ལོ་རྒྱུ་ཐོན་པ་ཕྱིར་པ་འི་ཤེས་པ་ལོ་རྒྱུ་
ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་
དག་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་
ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

ॐ । क्रियन्ति नैव रव्यन्ते प्रियं दिव्यं सुखाय ॥ १ ॥
 तत्रापि सन्निभं सुखं सुखाय सुखाय सुखाय ॥ २ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ ३ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ ४ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ ५ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ ६ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ ७ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ ८ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ ९ ॥
 तत्रापि सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय सुखाय ॥ १० ॥

ཀུམ་པོ་ལ། རྒྱལ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ་རྒྱལ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་
པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ།
པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ།
པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ།
པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ།
པདྨ་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ། བཤེན་པོ་ལ་པདྨ་པོ་ལ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

༡༡ ། བྱེད། ། དཔེར་ན་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ན་པའི་ཕྱི་ལྡན་པའི་སྒྲིང་།
རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་།
རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་།
ལ་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་།
ལ་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་།
ལ་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་ལ་རྒྱུ་ལྡན་པའི་སྒྲིང་།

[Faded handwritten text in Devanagari script]

[illegible]



བློ་ཤིང་བསྐྱེད་པའི་རྒྱུ་ནི་མཉམ་པའི་ལུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལས།
 དེས་ཆེན་པོའི་ཕྱི་ལོ་ཞིག་ཏུ་སྦྲེལ་བཅུག་པའི་ལུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལས།
 གསལ་བྱེད་པའི་ལུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལས། རྩོམ་པའི་ལུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལས།
 ལས་ཀྱི་ཁོ་སྟེང་ལས་ཀྱི་ཡུལ་ལས། དཔེ་ཞིག་ཏུ་འཇུག་པའི་ལུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལས།
 ཐོས་པའི་ལུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལས། རྩོམ་པའི་ལུགས་ཀྱི་ཡུལ་ལས།

[illegible]

འཇིག་རྟེན་བྱུང་ཁྱེད་སྐུ་ལ་སྐུ་བྱུང་ན། ། ཡེ་ཤེས་ཀྱི་སྤྱི་སྐུ་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་
ཆོས་དང་ལྷན་། འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་། འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་།
གྲིང་འདྲི་རྒྱུ་དང་འབྲེལ་པ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་། འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་།
འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་། འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་། འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་།
འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་། འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་། འཇིག་རྟེན་ལ་སྐུ་ལྷན་པོ་མ་ཆ་ན་།

ཐུགས་རྒྱུ་

༡༢། །འཛིན་ཏེ་བཤེད་པ་རྒྱ་ནུབ་ལ་འཁྱུང་། །ཡེ་སྟེ་ལ་མེད་པ་
ཡེ་མེད་པ་ལ་མེད་པ་འཁྱུང་བ་མེད་། །ཁྱེད་མེད་པ་འཁྱུང་བ་འཁྱུང་བ་མེད་།
ཁྱེད་མེད་པ་འཁྱུང་བ་འཛིན་ཏེ་བཤེད་པ་འཁྱུང་བ་མེད་། །འཛིན་ཏེ་བཤེད་པ་འཁྱུང་བ་མེད་།
འཛིན་ཏེ་བཤེད་པ་འཁྱུང་བ་འཁྱུང་བ་མེད་། །འཛིན་ཏེ་བཤེད་པ་འཁྱུང་བ་མེད་།
འཛིན་ཏེ་བཤེད་པ་འཁྱུང་བ་འཁྱུང་བ་མེད་། །འཛིན་ཏེ་བཤེད་པ་འཁྱུང་བ་མེད་།

ཀུན་གྱི་མཆོད་མི་ཤོད་༥༥ བཅོམ་ལྷན་པ་དཔལ་ལོན་ཏུ་བྱ་བ་ ཆེ་སྒྲུབ་པ་ ཆོས་
སྤྱུང་པ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་
ཏུ་བྱ་བ་ ཆོས་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་
རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་
དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་
དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་ རྒྱལ་པོ་དཔལ་ལོན་པ་

[illegible]

[illegible]

ॐ। कृष्णदेवैश्वर्यात्तद्वत्।। यदस्य वदन्त्येवायं
 शब्दस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं
 यदस्य वदन्त्येवायं शब्दस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं
 शब्दस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं
 वदन्त्येवायं शब्दस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं
 तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं तदस्य सुन्दरं

ཁོང་ཟད་པ་དང་། །ཤར་རྒྱུ་ཡོངས་སུ་བསྐྱོ་བ་དེ་ཡང་ཟད་པ་དང་། །
ཀྱིས་ཆོས་ལ་འཁྱམ་པ་དང་ལྟོས་པ་སྐྱོ་བ་སྐྱུར་ན། །དེ་ལྟར་རྒྱུ་ཤིས་པ་སྐྱོ་བ་
ཡོངས་སུ་བསྐྱོ་སྐྱུ་བ་ཡིན། །ཤར་རྒྱུ་ཡོངས་སུ་བསྐྱོ་བ་དེ་ཡི་ལྟར་ལྟོས་པ་
ཅི་སྐྱོ་ཡོངས་སུ་བསྐྱོ་བ་དེ་ཡི་ལྟར་ལྟོས་པ་སྐྱོ་བ་ཡིན། །ཤིས་པ་རྒྱུ་ཤིས་པ་
ཤིས་པ་ཟད་པ་དང་། །དེ་ལྟར་ལྟོས་པ་ཤིས་པ་ཟད་པ་དང་། །

[illegible]

॥ १ ॥ दत्तं यथा तथा वस्तुं ददा रघो रद्वे वा हं न दमिषा स तं कृते । ॥ ५ ॥
कुम्भं वा वा दसा र्हे भूद प्रवा सा ठ द चै य श्रित्त वा वे वा । पठ वा पुन
रदसा माथ वर वरे के पठे मपठे का सा सु य ठ द वा या सं हे स सु
यी मसा रे ये मु वे स पु व ह्रीं सु व र ॥ ॥ ५ ॥
अद वा पु रे वा पु मा प्रि व व वा । ॥ ५ ॥

ॐ । धारयन्तु ॥ शेषं सर्वं देवदेवस्य ॥
 ॐ । देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥ देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥
 ॐ । देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥ देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥
 ॐ । देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥ देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥
 ॐ । देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥ देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥
 ॐ । देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥ देवदेवस्य सर्वं देवदेवस्य ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
अहं कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् ॥ अर्जुनसंवादात्पश्यन् मम सैन्यम् ॥
सर्वत्र त्वं द्रुपदपुत्र ॥ १ ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ महाशय उवाच ॥
अथ कुरुक्षेत्रे भिक्षुं आसीनम् ॥ अर्जुनसंवादात्पश्यन् मम सैन्यम् ॥
सर्वत्र त्वं द्रुपदपुत्र ॥ १ ॥ द्रुपदपुत्र उवाच ॥ महाशय उवाच ॥

[illegible]

ལས་བརྒྱུད་པའི་མཉམ་པ་ལྟེན་པ་སྟེང་ལྟེན་པ་ལོ།

॥ कृत्यसामान

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुकुमाराय नमः ।

[illegible]

[A horizontal strip showing dense Tibetan script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

༡༡། །གཙུག་ལག་པ་སྐྱོད་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་
གཙུག་ལག་པ་སྐྱོད་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་
སྐྱོད་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་
ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་
ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་
ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་ལྟོགས་པ་ལྟར་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

༡༥༥ ། བཅའ་ཅན་པོ་དཔེ་མཛད་པ་རྒྱལ་པོ་ལྷ་མོ་། རི་ཕི་ཚོ་མ་
 བཅུད་ཀྱི་ལོ་སྤྱི་ལོ་བཅུད་པ་རྒྱལ་པོ་། རི་ཚོ་གཤམ་དག་གི་སྤྱི་ལོ་བཅུད་
 མཛད་ཀྱིས་སྤྱི་ལོ་བཅུད་པ་རྒྱལ་པོ་། རི་ཚོ་གཤམ་དག་གི་སྤྱི་ལོ་བཅུད་
 བཅུད་པ་རྒྱལ་པོ་། རི་ཚོ་གཤམ་དག་གི་སྤྱི་ལོ་བཅུད་པ་རྒྱལ་པོ་། རི་ཚོ་གཤམ་
 བཅུད་པ་རྒྱལ་པོ་། རི་ཚོ་གཤམ་དག་གི་སྤྱི་ལོ་བཅུད་པ་རྒྱལ་པོ་། རི་ཚོ་གཤམ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । त्रिंशत्तन्त्राद्वैद्यस्य चतुर्विंशत्यष्टौषधस्त्रिंशत्तन्त्रा । इति
वृद्धव्यायस्य चतुर्विंशत्यष्टौषधस्त्रिंशत्तन्त्रा । इति
चतुर्विंशत्यष्टौषधस्त्रिंशत्तन्त्रा । इति
चतुर्विंशत्यष्टौषधस्त्रिंशत्तन्त्रा । इति
चतुर्विंशत्यष्टौषधस्त्रिंशत्तन्त्रा । इति

[illegible]

ॐ । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।
वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।
वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।
वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।
वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः । वरुणाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । मन्त्राय नमः । वल्लभाय नमः । श्री गुरुभ्यो नमः ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

༡༡། འཕྲུལ་པ་ལྟར་། ལྷུང་ལེགས་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་།
 ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་།
 རྒྱུ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་།
 རྒྱུ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་།
 རྒྱུ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་ལྷུང་པ་ལྟར་། རྒྱུ་ལྟར་།

འགྲུར། །ལོ་བརྒྱའི་ལུ་ཡོད་ཏེ་ཆ་ས་ཤི་ལྷུ་ག་བཟུལ་ལོ། །ལྷ་ས་ཡོད་ཏེ་
ཏེ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་བ་ལྷ་ས་ཡོད་ཏེ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་བ་ལྷ་ས་ཡོད་ཏེ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་བ་
བཟུལ་བཟུལ་ལོ། །འགྲུ་ལ་བཟུལ་འཛིན་ས་ཡོད་ཏེ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་
འགྲུར། །དེ་བཞིན་ལྷ་ས་ཡོད་ཏེ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་ལོ། །
འགྲུ་ལྷ་ས་ཡོད་ཏེ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་འགྲོ་བ་རྒྱུ་ལོ། །དེ་བཞིན་ལྷ་ས་

[illegible]

འཕྱུག་མཆོག་གི་ཕྱོད་ཀྱི་ལྷོ་ལ་ལམ་བཟང་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་
སྐྱེས་པའི་ལམ་བཟང་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་
པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་
སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་
སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་
སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་སྐྱེས་པའི་མཆོག་པོ་ལ་

ॐ । त्रिंशत्तमोऽङ्कः । पञ्चमः । अष्टमः । अष्टमः ।
 यादवः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः ।
 पञ्चमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः ।
 अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः ।
 अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः । अष्टमः ।

[illegible]

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 प्रथमं विदुः सत्त्वमिदं ॥ सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं
 सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं
 सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं
 सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं
 सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं सत्त्वमिदं

མཆོད་པ་འདི།།སེམས་ཅན་འཛོམས་པ་ལྟུང་པ་ཤེས་སྒྲུབ་ཐུག་པ་ལྟུང་པ་
པར་མཛད།།སེམས་ཅན་འཛོམས་པ་ཤིག་པོ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་
འདི།།འཛོམས་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་
ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་
ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་ལྟུང་པ་

[illegible]

[illegible]

ॐ । मथ्ये । प्रविश्यात्सुखं दयया ॥ १ ॥ सुखं दयया ॥
सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥
सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥
सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥
सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥
सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥ सुखं दयया ॥

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । । गद विषा नरे स र स ग कं वा पञ्च म स ह । । दे व स य द स र स
 यो स य म द प रि क स य ह द र्द । । दे य द र यो व रि द र्द सु द क्तु य
 कु र य ह्म । । द यो व द र्द र म क म य र्द र य ह्म य र्द र य ह्म य र्द । ।
 य र्द र म स द य द य र्द य र्द र म वि र ह्म द य द । । य र्द य द य
 य र्द र म ह्म द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द य र्द

[illegible]

༡༣། །ཤུའམིང་ཅེ་མའུ་ཡོངས་སུ་བསྒྲུབ་པས། །ཡོངས་བསྒྲུབ་
སེམས་མེད་པའི་ཕུང་རུབ་སེམས་སྤངས་པའོ། །ཉམས་བཤེད་ཅིང་
སངས་རྒྱལ་ཕུང་རུབ་མཆོག་ཤེས་པ་ལྟར། །པེ་མཆོག་ཡོངས་སུ་
ཡོན་ཏན་རིན་པོ་ཆེ་རྒྱུད་པའི་གསུང་བཅུ་དང་པས་སྒྲིང་བ་
ལེན་ཞེས་ཕུ་བསྒྲུབ་ཅི་བརྒྱད་པའོ། །།ཐུམ་པོ་

བོ་འཇམ་མཁའ་ཡུལ་ཡུལ་པོ་ཡིས། མི་པོ་ཆོས་ཆོས་དཔལ་ཡུལ་དཔལ་
ཆོས། ། མེ་ལྷོ་ཡུལ་པ་ཐམས་སྟེང་པོ་ཆོས་མིན་ལ། ། མེ་ལྷོ་ཐམས་མེད་པར
སྟེང་པོ་ཆོས་མིན་ལྟར། ། དྲང་པོ་འི་སྟེང་སྟེང་ཡུལ་ཡུལ་ཆོས་པོ་ལ།
ཡིན་ལ། ། དཔལ་ཡུལ་དཔལ་པོ་ལ་པར་རྒྱས་པ་ཡིན། ། ཐམས་པོ་འི་སྟེང་སྟེང་
ཡུལ་ཡུལ་ཆོས་ཆོས་པོ་ལ། ། དཔལ་ཡུལ་དཔལ་པོ་ལ་པར་རྒྱས་པ་ལ།

ཡིན་ནོ། །ས་པོན་ལས་ནི་ཕུག་མེ་རྟོག་འབྲས་ཐུ་འབྲས་
 དེ་ཡང་འགགས་ལ་ཤིང་ཡང་མེད་པ་དེ་མེན་ལྟར། །དེ་བཞིན་དང་
 བོའ་སེམས་ཀྱང་ཕྱུང་ཆུ་ཆུ་ཡིན་ཏེ། །དེ་ཡང་འགགས་ལ་ཕྱུང་ཆུ་
 མེད་པ་དེ་མ་ཡིན། །ས་པོན་རྟོན་ས་འབྲས་ལ་ཕུག་ལ་སེམས་འབྲས་
 དེ་ཡི་འབྲས་ཐུ་དེ་ལ་ཡོད་མིན་མེད་པ་འདྲ་མིན། །ཆུ་ལ་པ་རྟོན་ལ་པ་

བུད་ཆུབ་འདི་ནི་འཕུང་བར་འཕུར། །དངོས་པོ་དེ་དང་བཞིན་གྲུལ་བས་སུ
ལ་འཕུང་བར་འཕུར། །ཆུ་ཡི་གྲི་གས་པས་སུ་ལ་པ་དང་པོ་ཐོ་མ་འི་བར་
རིམ་གྱིས་ཁུང་དུ་ཁུང་དུ་སྤྲོད་པོ་དང་སྤྲོད་པས་བཞུར། །དེ་བཞིན་དང་
པོ་དེ་སྤྲོད་པས་ཀྱང་བུད་ཆུབ་མཆོག་ཆུ་སྤྲོད། །རིམ་གྱིས་དཀར་པོ་འི་པོ་ན་
ཏན་ཏན་གས་པའི་སྤྲོད་པས་ཆུ་སྤྲོད། །སྤྲོད་པ་མཆོན་མཆོན་སྤྲོད་པ་མཆོན་

[illegible]

ལ་ཅེ་ཡང་མེད་ཅེས་བྱུང་ཆུབ་སྒྲུག་པ་མེད། །དེ་ལྟར་བྱུང་བ་ལ་དེ་ག་ཤིག་ལ་
 ཤོས་རབ་སྒྲུང་པ་ཡིན། །འཛིན་ཏེ་ནད་གོ་ན་པ་འི་པ་མེད་དང་ལུ་གའི་ནད་པ་མེད་
 པ་རེ། །ལ་ཕྱི་དང་ནད་སྒྲུག་པ་མེད་ཅེ་དེ་ནས་གོ་བྱེད་ཏེ། །ཕྱི་མའི་ལུ་མ་ཕར་
 རྒྱུ་ཆུ་པ་ཅོ་ན་ཞིང་རབ་ཤོས་ལ་ནས། །ཡོངས་སུ་སྒྲུབ་པའི་ཡོད་ནི་རྒྱུ་ལ་ཅོ་མ་
 མེད་ལེ་མེད། །པ་ཅོ་མ་ལྟར་ཅེ་དེས་པ་ལ་པ་ཅོ་མ་ལྟར་ཅེ་དེས་པ་ལ་པ་ཅོ་མ་ལྟར་ཅེ་དེས་པ་ལ་

ॐ । मरुतयस्य स्रुदमं यज्ञद्विषु मयि स्रुद्वेसापुय स्रुद्वे
दयस्य स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय

॥ सुदकुयस्य स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय

सुदकुयस्य । सुदकुयस्य स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय

मरुतयस्य स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय

मरुतयस्य स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय स्रुद्वेसापुय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

༢༣། ལྷོ་འཕུལ་གྱིས་མི་མཉམ་དུ་བྱེད་པ། ། དེ་དག་དགེ་བའི་མུ་བཞི
 དེ་གི་དུས་ཀྱི་ཉེད་དམ་བཤེན་གྱི་ཐོབ་མི་བྱེད། ། དཔེར
 བ་དགེ་སྤྱོད་ལྷོ་འཕུལ་སྤྱོད་སའ་མཆོག་ལྷོ་པ་ཞིག་ ། བཅའ་ཡུལ་དག་ལྷོ་པ་
 འཇིག་ཅན་ཆེ་ལྷོ་པ་ལྷོ་པ་ལྷོ་པ་ ། ལྷོ་པ་དེ་དག་ལྷོ་པ་
 ལྷོ་པ་དེ་དག་ལྷོ་པ་ ། དེ་མི་སྤྱོད་མི་དེ་དག་ལྷོ་པ་ ། འཇིག་

[illegible]

མཁུ་
ཐུ་

༄༅། ཅིང་གཡང་ས་ཆེན་པོར་ལུས་བོར་ནས། །ལྷུང་བར་མི་
ལྷུང་རིན་པོ་ལྷོ་ལྷོ་བར་ལྷུང་། །དེ་བཞིན་བྱུང་རྒྱུ་སེམས་
དབང་མཁུ་པས་བ་སྒྲིང་རྒྱུ་ལས། །ཐལ་ས་དང་པོས་རྒྱུ་བཞི་
གཞུང་ས་ནི་ཡོངས་བཟུང་སྟེ། །ཆོས་རྒྱལ་ས་སྒྲིང་པ་མཆོག་མེད་
པམ་གྱི་ཅིང་། །ལྷུང་ན་ལངས་ལཱ་རྒྱུ་པ་ཡོད་ལ་ཆོས་སྒྲིང་

[illegible]

三才圖會

[illegible]

[illegible]

༣༡། །དེ་ནི་མཉམ་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་ཞེས་པ། །འདྲེས་
བྱས་པ་ནི་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་
ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་
ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་
ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་
ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་
ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་ཐེག་པ་འཇུག་པ་ལ་

ཏི་ཐུང་པ་དང་ནི། ཡང་པལ་པོ་དེས་ཀྱིས་ལ། ཐུང་ཆུ་ཅ་སམ་སམ་དཔལ་ལྷོང་
པམ་ཆོམ་མམེད་པའི་ཆོས། ། ཡོངས་སུ་མི་སྤྱོད་ཕྱིར་མི་ལྷོག་པ་སམ་ཡི་
ཆོས། ། མི་འཆད་དེ་ནི་ལུང་མེད་ལྟར་པལ་ལོ་རྒྱུ་ཤ། ། དབྱེ་བཅོམ་
ས་དང་རྒྱུན་གྱི་སམ་སམ་ཆོས་ཡི་གཞི་ཤིང་ས། ། རྣམས་པ་སུ་མེད་ཤ། ། རྣམ་
ལམ་ན་ཡང་མི་འདུག་ཤིང་། ། རྣམ་པའི་རྣམ་པ་ལ་ཐོང་ལྷོག་པའི་ཆོས།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

༣༡ ། བདག་བསྐྱོད་གཞན་ལ་སྤོང་པ་འི་བྱང་ཆུབ་སེལ་ས་
 དཔའ་ནི། ། བདུད་གྱེས་ཡོངས་སུ་བསྐྱེད་ཞིང་སྤྱོད་རིག་པར་
 བྱ། ། ཁྱིམ་ཁྱོད་དང་ཡུལ་ལ་པོར་གྱོད་དེལ་གནས་བྱུང་ཅིང་།
 སེལ་ས་ཅན་སྤྱོད་བྱེད་བྱང་ཆུབ་ལ་ཕྱོད་ཀྱིས་མཛུགས་པ་ལྟར་
 དེ་ནི་བྱུང་པ་ཅན་ལ་ཡོངས་པ་གཞན་ལྟེ་སྤྱོད། ། འདྲི་ནི་

卷之四

[illegible]

五

༡༩ ། ཡམས་པ་ཆེན་པོ་། རྒྱུ་ལས་དང་དབང་པོ་ནི་ལ་
 བྱེད་པའི་ལྟ་བུ་ལྟར་། རྒྱུ་ལས་དང་ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་
 ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་། རྒྱུ་ལས་དང་ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་
 ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་། རྒྱུ་ལས་དང་ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་
 ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་། རྒྱུ་ལས་དང་ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་
 ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་། རྒྱུ་ལས་དང་ལྟ་བུ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར་

17

མཆུག་དེས་མ། །འདི་ནི་འགྲོ་དེན་ཐུགས་པ་རྒྱལ་ས་ཀྱི་དབོན་པ་
མེད་ །ཐུང་ཐུང་སྐུ་མཆོད་པ་འདྲིའི་མེད་པའི་ཁྱེད་ཀྱི་མཆོད་པ་
བཅའ་མཆོད་ཀྱི་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་
མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་
མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་མཆོད་པ་

[illegible]

5

དེདག་རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་ཕྱིར་འདི་ནི་བསྐྱེད་པ་པའི་སྒྲུབ་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་།
 རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་།
 རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་།
 རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་།
 རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་། རྒྱུ་ལྟ་བུ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་ལྟོན་པ་།

卷之六

ཨོ། །ཡིན་ཞེས་པ་ཤད། །རིལ་ར་ཤེས་རབ་པ་རོལ་ཕྱིན་པ་
ལའོ་ན་ཉིད་སྟེང་། །ཆེས་འདི་ཐམས་ཅད་ལའོ་ན་ཉིད་དེད་
འདྲ་ར་ཤེས་ཤིང་། །ཆེས་རྒྱལ་སྟེང་ཞིང་ལའོ་ན་ལའོ་ད་པ་
རབ་ཤེས་ན། །རིལ་ར་སྟེང་པ་བདེ་ག་ཤེས་པ་ཤེས་རབ་སྟེང་
པ་ཡིན། །སེམས་ཅན་ཡིངས་སྟེང་ག་པས་ཟས་པ་འོད་དེད་

ཕྱི་ཕྱི་ལྟེང་། རྒྱལ་ཁོང་པལ་ཆ་གསལ་པའི་ཡིད་དང་ལུས་རྒྱུ་ལྟེང་།
ཕྱི་ཕྱི་ལྟེང་། ལྟེང་གི་པལ་ཆ་གསལ་པའི་ཡིད་དང་ལུས་རྒྱུ་ལྟེང་།
ཕྱི་ཕྱི་ལྟེང་། ལྟེང་གི་པལ་ཆ་གསལ་པའི་ཡིད་དང་ལུས་རྒྱུ་ལྟེང་།
ཕྱི་ཕྱི་ལྟེང་། ལྟེང་གི་པལ་ཆ་གསལ་པའི་ཡིད་དང་ལུས་རྒྱུ་ལྟེང་།
ཕྱི་ཕྱི་ལྟེང་། ལྟེང་གི་པལ་ཆ་གསལ་པའི་ཡིད་དང་ལུས་རྒྱུ་ལྟེང་།
ཕྱི་ཕྱི་ལྟེང་། ལྟེང་གི་པལ་ཆ་གསལ་པའི་ཡིད་དང་ལུས་རྒྱུ་ལྟེང་།

94
△
50
△

༡༩༩ ། བདག་དང་བདག་གི་རལ་ལཱ་ལེན་པ། ། བདག་དེར་
འདུག་པ་ཡང་དག་མེད་ཅེས་སྒྲུ་ཞིང་འཇོག་ ། ཇི་ལྟར་འཇོག་པ་
དེ་ལྟར་གྲོག་པ་ཉེན་པོ་དཔེས་པ་ལྟར། ། བདག་དང་བདག་གི་རལ་
དཔེས་པ་ལྟར་པར་བྱུང་བཤའ་སྤྲུང་པ། ། འདི་ལ་གང་ཡང་ཉེན་
པོ་དཔེས་པ་དག་འཇུག་པོ་དཔེས་པ། ། བྱུང་ཆུབ་པ་ལས་དཔེས་

[illegible]

張

[illegible]

[illegible]

卷之六

ॐ । विष्णुर्देवः सः सर्वभूतहिते रतः ।
प्रणम्य भगवते शिरसांस्तुतिं प्रदामहे ।
उद्भवत्यस्यैव त्रिलोक्यं त्रिमूर्तिरिति
विष्णोर्वन्द्यम् । नमोस्तु ते महाशयः ।
नमोस्तु ते महाशयः । नमोस्तु ते महाशयः ।

[illegible]

༣༡། །རྩུང་པོ་ཐུག་པའི་ཆེན་པོ་། །མཐུན་པའི་ཆེན་པོ་། །
 ལྷ་པོ་འོད་ཀྱི་ཐུག་པའི་ཆེན་པོ་། །འོད་ཀྱི་ཐུག་པའི་ཆེན་པོ་། །
 དཔུང་པོ་ཐུག་པའི་ཆེན་པོ་། །མཐུན་པའི་ཆེན་པོ་། །
 མཐུན་པའི་ཆེན་པོ་། །མཐུན་པའི་ཆེན་པོ་། །
 རྩུང་པོ་ཐུག་པའི་ཆེན་པོ་། །མཐུན་པའི་ཆེན་པོ་། །

ཕྱེད་ཀྱིས་གཞོན་། །དཔེར་ན་རྒྱལ་པོའི་ཕུ་ཞེས་ཞེས་གཏེར་དོན་འདྲེང་
པ། །ཀུན་གྱི་གཙོ་བོ་རྒྱུར་ཏེ་མངོན་པར་འགོ་བྱེད་སྟེ། །འདི་ནི་དེ་ལྟ་
ན་ཡང་སེམས་ཅན་མང་དག་འབྱུང་། །ཐམས་ཅད་ཐུན་ཏེ་རྒྱལ་པོ་དེ་
གཞན་སྐྱོས་ཅི་དགོས་། །དེ་ལྟར་གསུང་བ་སྤྱོད་མཁས་ཀྱིས་ཀྱང་
སེམས་དང་འཕྲལ་། །ཐད་དུ་ཅི་ཕྱིན་པར་བྱེད་ཅིང་ལྟ་དང་མི་རྒྱུས་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

འདྲེར་སྒྲོབ། ། བཅོམ་ལྡན་འདས་ལ་ཡོན་ཏན་རིན་པོ་ལྔ་
ཆོག་ལ་སྐུ་བཅད་པ་ལས་མདོན་བའི་དཀྱུལ་གྱི་ལཱ་འུ་ཞེས་པ་བ་
སྟེ་ཉི་ཤུ་ཆུ་བཞི་པ་འོ། ། ། གང་ཞེས་སྒྲོ་བ་ཆོ་བ་སྤྲུབ་པ་
གང་ཡང་ཁས་ལེན་པ་། སྒྲོ་བ་པ་པོ་དང་བསྤྲུབ་པ་འོ་ཆོས་རྣམས་
མི་དམིགས་ཤིང་། ། བསྤྲུབ་དང་བསྤྲུབ་པ་མ་ཡིན་འདི་ག་ཉིས་

ཨོཾ། མི་རྟོག་པ། །དེ་ལྟར་གང་སྟོན་དེ་ནི་སངས་རྒྱུ་ས་ཆོས་
འདིར་སྟོན་པ། །ཕྱེད་ཀྱི་པ་སེམས་དཔའ་གང་ཞིག་དེ་ལྟར་འཛིན་སྟོན་པ་
འདི་ཤིས། །དེ་ནི་ཞུ་བ་ལ་བསྟན་པ་ཉམས་སྟོན་པ་ཕྱི་མས་འཆམ་
མི་འགྱུར། །དེ་ནི་སངས་རྒྱུ་ས་ཆོས་པ་རྟོག་པ་ཕྱུ་ཕྱིར་འདི་པ་སྟོན་པ། །
དེ་ནི་པ་སྟོན་པ་ལྟ་བུ་པ་སྟོན་པ་ལ་མཁས་པ་ཉིད་མིག་སྟོན་པ་པ་མེད། །མཁས་

སྐུ་འཕྲུལ་འཕྲུལ་མཁའ་ཁྱིའི་ཤུལ་རབ་དེ་ལྟར་སྒྲུབ་པ། །དགེ་བ་མ་ཡིན་
 སེམས་ཀ་ཅི་གཅི་མ་ཡང་སྒྲུབ་མི་ཤུག། །ཅི་མ་མཁའ་འཕྲུལ་འཕྲུལ་བའི་
 གཟུང་ཁྱིའི་ཁྱིའི་གཟུང་བའི། །མཐུན་ཁྱིའི་བར་སྒྲུབ་པའི་སྒྲུབ་པའི་
 གཟུང་བའི་ཁྱིའི། །ཤུལ་རབ་པ་རྣམས་ཀྱི་ལ་བསྒྲུབ་པ་ཕྱི་མཁའ་
 ཁྱིའི། །ཤུལ་རབ་པ་ཕྱི་མཁའ་ཅན་འདི་རྣམས་ཀྱི་ལ་བསྒྲུབ་པ་ཕྱི་མཁའ་།

[illegible]

བ་ཐམས་ཅད་འདིར་ནི་འདུལ་བར་གསུངས། ། བྱང་ཆུབ་སེམས་
 མཁས་ཀྱི་ཐོས་ཡོན་ཏྲན་གང་དག་དང་། ། དཔལ་ལྷན་རང་ཆུལ་
 ཡོན་ཏྲན་གྱི་ལ་སྟོན་བྱུང་ཅིང་། ། དེ་དག་དེ་ལ་མི་གནས་འདོད་པ་
 མི་སྟོང་དང་། ། འདི་ནི་བདག་གིས་བསྟན་བྱུང་གི་སྟུང་དེ་ཕྱིར་སྟོན། །
 བཅོམ་ལྷན་འདས་མཁའ་ཡོན་ཏྲན་རིན་པོ་ཆེ་སྟུང་པ་ཆེ་གསུངས་ལྟར་ཅད་པ།

卷之五

[illegible]

[illegible]

५३५

[illegible]

འདི་སྐྱུ་མ་དུ།།སྒྲེ་བོ་འདི་མ་གྱུ་བྱ་སྐྱུ་མ་མི་སེ་མ་ས་དེ་ཡང་བྱེད།།རྒྱ་ལྷ་ལྷ་
ལྷ་ཆོག་ས་རབ་ཏུ་སྒྲེ་བོ་ལ་རྒྱུ་མ་ཕྱོད་ཡང་།།དེ་ལ་ལུ་ས་མ་དེ་སེ་མ་ས་མ་ད
མི་དཔང་ཡོད་མ་ཡིན།།དེ་བཞིན་མེས་རབ་སྒྲེ་བོ་ལ་མ་ཡང་འདི་སྐྱུ་མ
དུ།།བྱེད་ཆུ་བཞིན་གས་ནས་འགྲོ་བ་ཡོད་ས་སྐྱུ་དགོ་ལ་མི་སེ་མ་ས།།སྒྲེ་བོ
ལྷ་ཆོག་ས་དེ་དེ་བྱེད་མ་དེ་ལྷ་བོ་ལ།།སྐྱུ་མ་ལྷ་བྱེད་སྒྲེ་བོ་ལྷ་བོ་ལ་དེ་

ॐ॥ मिहैवाश्रुता॥ दधैरुसदसाकुसुमापसदसाकुसु
माहंदाश्रुता॥ प्रदयदेयदेवासापश्रुदचदश्रुमिरश्रुता॥ द
धविकेपेसदसाश्रुदमापसापुदकुपसमासादवापयद॥ श्रुय
यश्रुमापविकेदुपुपप्रमासाठदश्रुता॥ विदमापकपत्रेपेमापसा
पसाश्रुतापपुदमादद॥ अदपारिपत्रेपुसादेयदपुपप्रमासा

ཅད་ཕྱིད། ། དེ་བཞིན་གཤམ་དཔ་སྤྱོད་ལ། བསྐྱུ་བ་ལ་གསལ་དཔ་ལ་
ཐོལ་པར་མི་རྟོག་ཡོད་གསུང་པ་ཐོལ་སྐྱེད་ཕྱིད། ། བཅོམ་སྤྱོད་དཔ་ལ་
པོ་བཟོ་བ་རིམ་པོ་ཆེ་སྤྱད་པ་ཆོག་སྤྱད་ཕྱིད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་རིམ་པོ་ལ་
ཞེས་ཕྱིད་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་
སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་
སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་སྤྱོད་པ་ལ་

卷之六

[illegible]

ཅད་བྱམ་ལུས། །ཐུན་མ་བཞི་ཡིས་བྱང་ཁུ་བ་སེམས་དཔའ་མཁས་སྟོབ་པ་
 རྩམ་། །བདུད་བཞིས་བྱུ་བ་པ་དང་། །འཁྱིལ་བསྟོད་བར་མེ་ལུས་ཅེ། །སྟོད་བར་
 གནས་དང་སེམས་ཅན་ཡོད་ས་སུ་མེ་གཏོང་དོད། །ཇི་སྐད་སྒྲུབ་བཞིན་ཕྱི་དང་
 བདེ་ག་ཤེས་པ་བྱིན་སྒྲུབ་སེམས་ཅན། །དེ་བཞིན་ག་ཤེས་པ་ལུ་མ་ཤེས་པ་པ་
 རྩམ་བྱིན་པ་འདི། །འཆད་ཆེ་བྱང་ཁུ་བ་སེམས་དཔའ་གང་ཞིག་མེས་བྱེད་

ཐུགས་རྒྱུ་

༡༡། ཁྱེད་ཀྱི་ཡུལ་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་
ན་ཀྱང་ཡུལ་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་
མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་
ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་
མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་
ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་
མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་ཀུན་ལ་ཕྱག་ལུགས་ལྟར་པར་མཛོད་པར་བཟུང་བ་ཕྱི་ན་ཀྱང་

[illegible]

[illegible]

སེམས་ཅན་ཀུན་གྱི་ཡོན་ཏན་མཆོག་ལུ་འགྲོ་བ་དང་། །སངས་རྒྱལ་ལ་འགྲོ་བ་
མཆོག་ལུ་མདུང་མཆོག་རྟེན་དང་། །ཆོས་ཀྱི་སྤྱོད་པར་བམཆོག་ལ་འགྲོ་བ་
འདོད་གང་། །ཡན་མཛོད་ནུས་ཀྱི་གནས་མཆོག་འདི་ལ་བརྟེན་པར་གྱིས།
བཅོམ་ལྷན་འདས་མ་ཡོན་ཏན་རྟེན་པོ་ཆེ་ལུ་པའི་གས་སུ་བཅད་པ་ལས་
སྤྱིང་པོའི་ལཱ་ལུ་ཞེས་བྱ་བ་སྤྱི་ཉུང་བདུན་པ་འོ། ། །ཡསྟུག་པ་འདི་

25

[illegible]

རངས་དང་མ་ཕྱོད་ཕྱོགས་པ་རུ་འཛིན་ཏེ་མ་གཏོག་པོ་རྒྱལ་སྐུ་ལྟེང་། དེ་དག་ལ་
 ལས་འབྲུངས་ཀྱང་ཆེ་སྟེ་དཔེ་བུ་ལྟར་། འཛིན་པ་འབྲུངས་ཀྱི་ལོ་
 ཏེ་གཞན་གསལ་ཆེ་ལ་འཛིན་པ་། དེ་དག་ཐམས་ཅད་སྐུ་ལྟར་ལྟར་འབྲུང་
 ཏེ་འཕྱོད་། འཕྱོད་ཀྱངས་ལ་འབྲུང་པ་མེད་ཅིང་འཕྱོད་པ་ལ་མེད་། ལྟེངས་ཀྱི་ལོ་
 ཏེ་མས་རྒྱལ་པ་ལ་འཛིན་པ་ལྟེང་། ལས་ཀྱངས་ཀྱངས་དང་ཏེ་ཕྱོད་པ་རང་

༡༥༥ ། ཁྱེད་ལྟ་མཁས་དང་། ། འགྲོ་བ་ཀུན་གྱི་བདེ་སྤྱིད་ཆོས་མཁས་
འཛིན་པ་། ། དཀྱིལ་ཤེས་རབ་ལ་ཕྱོད་པ་མཆོག་ལས་བྱུང་། ། ཤེས་
རབ་མཁས་ཡིད་བྱེད་པ་མཆོག་ལས་བྱུང་། ། སེམས་ཅན་ཐམས་ཅད་ཀྱིས་
དང་མཆོག་གྱུར་འཛིན་པ་། ། དཀྱིལ་མཁས་ལས་བྱུང་བདེ་བར་གསལ་གསལ་
པ་སྤྲུལ་པ་། ། ཁྱེད་མཁས་ཆོག་སྐྱེས་པ་སྤྲུལ་པ་སྤྲུལ་པ་འཁོར་

[illegible]

[illegible]

འཛིན་ཀྱང་གནས་བྱེད་པ། རྟོན་པར་བྱེད་པ་ཡིན་གནས་པར་བྱེད་
མེད། འཛིན་ཀྱང་པས་མ་གཏོན་ཡན་ལག་བཅས་པ་བཞི་པོ་འདི། རྟོན་
ཀུན་དམ་པ་མཆོག་ཐོབ་པ་ཡིན་པར་བྱེད་ཀྱང་། འཛིན་པར་མཆོག་ཐོབ་
པས་མ་གཏོན་དག་ལ་གནས་པ་ནི། གཟུགས་མེད་ཏིང་འཛིན་དམ་པ་
བཞི་ཡིང་ཉམས་སྒྲུབ་ཀྱི་ཡོད། བསམ་གཏོན་འདི་དག་བྱེད་ཀུན་དམ་པ་

༡༡། །མཆོག་ལ་པཎ། །ཕུང་ལུ་བ་སེམས་དཔའ་བཟུལ་བ་བཟུང་
 བྱེད་སྒྲོ་བ་བཟུང་། །འདི་ནི་ཡོན་ཏན་སྟགས་པའི་དོམ་ཆོར་མཆོད་
 ཕུང་རྒྱ། །བསམ་གཏོག་དྲི་དེ་འདྲི་ལ་གནས་ནས་མཆོར་མཆོད་
 དེ་ལ་གནས་ནས་མཆོད་པའི་ཕྱུ་སྒྲོ་ཞིག་གྱུར་ན། །བསམ་པའི་ཕྱུ་
 འདྲི་དཔའི་ཕྱུ་སྒྲོ་ལ་པཎ། །འདྲི་དཔའི་ཕྱུ་སྒྲོ་ལ་པཎ། །འདྲི་དཔའི་ཕྱུ་

ཆད་ལུ་ཡུ་ལ་གྱེ། །ལྷ་ཡི་ཕྱོད་ཕྱིར་མཆོག་ཀྱི་མ་ཕྱིན་ཕྱིས་སོང་གྱེ། །དེ་བུ་
ཡོད་སྟེ་ལུ་བ་བྱུང་བའི་ཡུ་ལ་དེ་ནས་སྐྱེད་ནས། །ཕྱིས་འདྲིར་འདྲིས་
བར་གྱུར་ན་ཆགས་པར་ལྷི་ཕྱིད་ལྱུར། །དེ་བཞིན་བྱུང་ལུ་པ་སྐྱེད་སྐྱེད་པར་
ཡོན་ཏན་མཆོག་འཆད་པ། །ནལ་འཕྱོར་བའི་ཕྱོད་པས་མ་གཏུན་ཏིང་
འཛིན་པ་གནས་ནས། །ཕྱིར་ཡང་འདྲིར་འདྲིས་པས་ལུ་གནས་ཏུ་ཆགས་

[illegible]

དེལ་འདོད་པ་འེ་སྟོན་པ་སྐྱེད་པར་མ་བྱས་པ། །དེལ་གྱི་དུས་ལ་ཞུན་ནི་ག
ནད་དག་ཡོད་སྟེ་སྤངས་ཤིང་། །སྤངས་ནས་ཕྱི་མ་དུ་སྤངས་ཆ་གསལ་པར་མི
བྱེད་ལྟར། །དེ་པའི་ནུང་ཆུ་བ་སྐྱེད་པར་མ་པས་བདག་འདོད་དང་། །
བདེ་སྤྱོད་པས་མ་པ་ཆེན་ཏིང་ལོང་ནི་པ་པའི་ཐོབ་པར་ས། །པས་མ་པ་ཆེན
བདེ་སྤྱོད་པས་མ་པ་ཆེན་ཏིང་ལོང་ནི་ཐོབ་པར་སྤྱོད། །ཕྱོག་ལ་སྤྱོད་པ་ཆེན་ཏིང་ལོང་།

三

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 १॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 २॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ३॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ४॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ५॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ६॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ७॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ८॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 ९॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥
 १०॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥ भक्त्या योग्यं कुरुष्व मे
 वन्दनं ॥ तस्मात्प्राप्तुं शक्नुमि ते सर्वम् ॥
 यदा मुनेर्युगात् ॥ प्रसीदतु मया हितम् ॥
 भक्त्या युज्यते येन ॥ प्राप्नुयान् मोक्षमात्मनः ॥
 परमार्थम् ॥ सुखं च विद्यां च धनं च सौख्यम् ॥
 पुत्रं च पुत्र्यं च ॥ दास्यन्ति ते भगवन्मया ॥
 भक्त्या युज्यते येन ॥ प्राप्नुयान् मोक्षमात्मनः ॥

༣༡། ཆོས་སྤུ་བཅུ་བྲམ་སྤུ་འགྲོ་བའི་ལཱུ་ཞེས་
 བྱ་བ་སྤྱི་ཉི་ཤུ་ལྟར་ཡོད། ། རྒྱ་ཆུ་བས་མཐུ་དཔར་
 གང་ཞེས་ལུ་ནི་འཁོར་འཁོར་འདྲེ་ཅིང་། ། སྤུ་མཐུ་ཕྱི་ནང་ཞིང་
 སྤུ་དཔུ་ཕྱི་ནང་ཞིང་ལྟར་ཡོད། ། སྤུ་བའི་སྤུ་ཞི་ལྟར་མཐུ་བའི་སྤུ་
 འཁོར་ལྟར་ཡོད། ། དེ་ནི་སྤུ་ཕྱི་ནང་ཞིང་ལྟར་ཡོད། །

ཕུང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་མི་མཁའ་སྐུ་ལ་བ་ཕྱེ་བ་བཟང་། །ལལ་ཏྲི་རི་
བར་འདྲ་ཤེས་སྒྲུག་བསྐྱེད་ཕུང་ཆུབ་སྒྲུབ་། །ཡང་དག་ཆོས་སྒྲུབ་ཕྱེད་ཆོ་
ཡུན་རིང་སྒྲུག་བསྐྱེད་འགྲུར་། །དུས་ན་བཅོ་ལྔ་འགྲུས་པ་རྒྱུ་ལྟོ་ཉམས་
ལེ་ལེ་ཅན་། །ཕུང་ཆུབ་མཆོག་ལ་ཁུ་སེམས་ལ་སྐྱེད་དང་པོ་ནས་བཟུང་སྟེ་། །ཕུང་
ཆུབ་སྒྲུབ་མཁའ་དཔའ་ཕྱེ་བ་པར་འགྲུར་གྱི་བར་། །ཉེ་མཆོག་གཅིག་ཅེས་མ་དུ་བོ་

ॐ । धिदधसोअसासुद्व । अविशववासायवसावठव
 वसुवठवसावमरिणवमपु । वावमरिणवविणवदिज्ञदमि
 दिवविणववि । हिसवसुदकुवमकवमवमरिणववि
 वसा । हिसवसुदकुवमकवमवमरिणववि । हिसवसुदकुव
 सोअसावमरिणवमपु । हिसवसुदकुवमकवमवमरिणववि ।

4

[illegible]

༡༣༡ ། ཐལ་སྐུ་མཁུ་ཕྱེན་པ་ཉིད་ལས་མཛིན་པའི་ཐུགས་པ་ལ་སྐུ་
པ་ལྟོས་། ལུས་དང་སྐུ་ལས་མཛིན་པའི་ཐུགས་པ་ལ་སྐུ་པ་ལྟོས་།
ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་། ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་།
ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་། ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་།
ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་། ཐུགས་པ་ལྟོས་པའི་ཐུགས་པ་ལྟོས་།

[illegible]

ཡུལ་

ཡུལ་ ། ཡུལ་རྒྱལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ། རྒྱལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ །
དེ་ལ་དེ་ལ་དེ་ལ་དེ་ལ་དེ་ལ་ ། ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ །
ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ། ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ། ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ །
ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ། ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ། ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ །
ཡུལ་ཡུལ་ ། ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ ། ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ཡུལ་ །

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 कृष्णस्यैव नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

20

ཕྱིར་དཔེ་ལྟར་བྱ་སྒྲུབ་། །ཕྱི་ལ་དཔུག་མཆོད་དང་པས་ད་དུང་ཆེན་
དང་བརྟེན་པ་དང་། །ལྷག་གཞི་དང་པ་དང་ཆོས་རྒྱུད་ལས་ཕྱི་ལ་ཆོས་དང་
འཇིག་རྟེན་གྱི་ལྷ་ལ་ཐུག་པ་ལྟར་བྱ་སྒྲུབ་པ་། །ཕྱི་ལ་ཆོས་
སེམས་སྤྱོད་པ་ལ་ཐུག་པ་ལྟར་བྱ་སྒྲུབ་པ་། །ཕྱི་ལ་ཆོས་
མཁའ་ལྷན་ལ་ཐུག་པ་ལྟར་བྱ་སྒྲུབ་པ་། །ཕྱི་ལ་ཆོས་
མཁའ་ལྷན་ལ་ཐུག་པ་ལྟར་བྱ་སྒྲུབ་པ་། །ཕྱི་ལ་ཆོས་

ཐུགས་སྒྲུབ་ཀྱི་མཁའ་མཛོད་

༣༣། །ཏུང་པའི་ལམ་ལུ་ཞེས་བྲལ་བ་ལྟ་བུ་ལུ་པའི་།
ཏུང་པའི་ལམ་ལུ་ཞེས་བྲལ་བ་ལྟ་བུ་ལུ་པའི་།
ཏུང་པའི་ལམ་ལུ་ཞེས་བྲལ་བ་ལྟ་བུ་ལུ་པའི་།
ཏུང་པའི་ལམ་ལུ་ཞེས་བྲལ་བ་ལྟ་བུ་ལུ་པའི་།
ཏུང་པའི་ལམ་ལུ་ཞེས་བྲལ་བ་ལྟ་བུ་ལུ་པའི་།
ཏུང་པའི་ལམ་ལུ་ཞེས་བྲལ་བ་ལྟ་བུ་ལུ་པའི་།

ཕྱུ་ཆུ་བཟུང་བ་འདྲེན་ན། །ཚུལ་གྱི་མཁའ་འཁལ་ཞིང་མི་མཁའ་ཁས་དེ་བཞིན་
སྤྱོད་པ་ཉམས། །དེ་སྤྱོད་ཕྱུང་ཆུ་བཟུང་བ་ཞི་བ་མཆོག་ཏུ་ཡོད་སྟེ་བཟུང་། །འདྲོད་
ཡོན་བཟོ་ན་ཡང་ཚུལ་གྱི་མཁའ་ཁས་དེ་བཟུང་བ་ཉམས། །ཆོས་གང་དེས་པུ་
ཕྱུང་ཆུ་བཟུང་བ་ཉམས་པུ་ཕྱུང་བ་ཉམས་པུ་ཕྱུང་བ་ཉམས་པུ་ཕྱུང་བ་ཉམས་པུ་
ཚུལ་གྱི་མཁའ་ཁས་དེ་བཟུང་བ་ཉམས། །ཆོས་གང་པུ་ཕྱུང་བ་ཉམས་པུ་ཕྱུང་བ་ཉམས་པུ་ཕྱུང་བ་ཉམས་པུ་ཕྱུང་བ་ཉམས་པུ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

575871

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुखं यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥ सुखं यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥
पुनश्च यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥ पुनश्च यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥
यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥ यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥
यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥ यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥
यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥ यदा भवेत्तदा भगवत्पदं ॥

༢༣། །ལོ། །ཕུང་ཆུ་བ་ལོ་མས་དཔའ་མཁས་པ་གསལ་པ་ཕྱིད་
 གསུམ་གྱི། །ལོ་མས་ཅན་ནི་སྒྲིབ་དྲོད་གྲུབ་ལ་སྒྲིབ་པ་འདི། །ཕྱིན་པ་རྒྱ་
 རྒྱ་ཅིག་སྒྲིབ་ཏུ་བསམས་ནས་སྒྲིབ་ཕྱིན་པ། །དེ་ལ་དཔེ་གོ་བའི་དོན་
 ཏུ་ཕུང་ཆུ་བ་མཆོག་ཏུ་བསྒྲིབ། །སྒྲིབ་པ་ཕྱིན་ནས་དངོས་ལ་གནས་པར་
 བྱེད་པ་མཛད། །དེ་ནི་ནམ་དུ་འཇུག་པ་འདི་ལ་འཇུག་པ་འདི། །དེ་ལྟར་

༡༥ བཅུ་ལྔ་པ་ལྟར་བཤམས་པ་ཅད་གཏེར་བཅུ་། །རྒྱུད་ལྟར་ལ་མ་དེ་
 དཔག་ཏུ་མེད་པར་རྒྱུ་ལ། །མྱོང་བ་ལ་སྤྲོ་བ་སྤྲོ་བ་མཐུན་པ་རྒྱུ་ལ།
 རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་གཤམས་པ་ཅད་རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་
 རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་གཤམས་པ་ཅད་རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་
 རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་གཤམས་པ་ཅད་རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་
 རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་གཤམས་པ་ཅད་རྒྱུ་ལ། །ཡོད་པ་རྒྱུ་ལྟར་

金瓶梅

[illegible]

ཕུན་པའི་ཕུང་པོ་ཁྱེ་ལྟོས། ། རྩེ་སྤྲུལ་ཡི་རྒྱུ་ཕུང་ཁྱེ་པ་སེམས་པ་དཔལ་ལྷན་ལ་
གྱིས་གཞུང་། ། རྩེ་ཕུང་ཁྱེ་པ་སེམས་པ་དཔལ་ལྷན་ལ་གྱིས་གཞུང་ཕུན་པོ་ལྟོས། ། དེ་ལ་
པདག་གི་རྩེ་ཕུང་དཔལ་ལྷན་པ་སེམས་པ་དཔལ་ལྷན་ལ་ ། རྩེ་སྤྲུལ་ཡི་རྒྱུ་ཕུང་ཁྱེ་པ་
ཁྱེ་ལྟོས། ། རྩེ་ཕུང་ཁྱེ་པ་སེམས་པ་དཔལ་ལྷན་ལ་གྱིས་གཞུང་ཕུན་པོ་ལྟོས། །
པམ་ལྟོས། ། རྩེ་ཕུང་ཁྱེ་པ་སེམས་པ་དཔལ་ལྷན་ལ་གྱིས་གཞུང་ཕུན་པོ་ལྟོས། །

མའི་དཔེ་དང་། མི་ཁོས་བཀུད་སྤྱོད་དེ་ཡིད་ལ་བརྟན་ཏུ་རྟེན། བཟུང་བ་ལ་
 གཞུགས་པ་བཟང་དམ་བཀུར་ཆེན་པོ་བཟུང་། བཀུར་ཆེན་པོ་ལ་མཆོད་པའི་ལོ་རྒྱུས་
 བསམ་ལྟ་བུ་བའི་འོས་སུ་འཁུར། བཀུར་ཆེན་པོ་ལ་མཆོད་པའི་ལོ་རྒྱུས་
 འགྲིམ་མི་འཁུར། ཡོད་ཀྱིས་མཆོད་པའི་ལོ་རྒྱུས་བའི་བཟང་ཆེན་པོ་ལ་
 འཁུར། བསམ་ལྟ་བུ་ལ་མཆོད་པའི་ལོ་རྒྱུས་བའི་བཟང་ཆེན་པོ་ལ་
 འཁུར། བསམ་ལྟ་བུ་ལ་མཆོད་པའི་ལོ་རྒྱུས་བའི་བཟང་ཆེན་པོ་ལ་

[illegible]

ཐུས་ཅན་ཕུང་ཆུབ་སེམས་སྤྲུལ་དང་། ཡོངས་དག་ཞིང་དཔེ་མཁན་ཅན་དག་ལ་
ཡོངས་སུ་འཛིན། །སངས་རྒྱལ་ཕུང་ཆུབ་དང་ཆོས་ཀྱི་ཆུང་ཆུང་ལོངས་སུ་འཛིན། །དེ
པའི་ནང་གི་འདུལ་ཆུང་དང་ཆོས་ཀྱི་ཅན་ཡོངས་སུ་འཛིན། །ཐུན་པ་འཛིན་དག་སོང་ཞིང་
པ་སྒྲུབ་པ་འཛིན་ཆོས་ཀྱི་རྒྱལ་པ་ལ། ཞུས་པ་པ་སྒྲུབ་པ་ཕུང་ཆུབ་ལམ་ལམ་ལམ་ལམ་འཛིན་
གསུངས་ཏེ། མེད་ནི་ཡོ་ཆུ་བཞི་ལྟ་བུ་ཕུང་ཆུབ་ལམ་ལམ་ལམ་ལམ་། །ལམ་ལམ་ལམ་ལམ་།

[illegible]

ཀུས་ཅིང་ཁྱེས་ཡང་དག་ལེགས་པར་གསུངས། །མདྲེ་ཡིག་འབྲས་ལ་ཆོས་ཀྱི་
དེ་ཅིང་མ་ལུས་དེ་ཆོས་ལ་ཐོས་འབྲས་ཡང་དག་མཉམ་རེས་པ་ལྟེ། །གང་ཞིག་
གཞན་སུ་ཀྱང་ལ་རང་ཅིང་དེ་མ་དང་སྤྱེད་ཅིན་དང་མ་ཆོན་དུ་བསམ་པ་གཏན་ནི།
དུས་འཇམ་རྒྱུ་གསུངས་ཀྱིས་དུག་པ་པཅ་ན་པ་དང་པམས་སྟོན་པ་ལྟེ།
དུས་པ་ལྟེ། །ཆོས་པཅ་དང་ཕྱེ་བ་དུ་མ་འཇོག་ཅི་རྒྱུ་པ་མཐོང་ནས་དེ་

[illegible]

རྒྱུད་པ་དེ་པའི་མ་ལུ་འདས་པ་ལ་ཞུ་བ་རྒྱུད་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་
 རྒྱུད་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་
 རྒྱུད་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་
 རྒྱུད་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་
 རྒྱུད་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་
 རྒྱུད་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་ཆེ་གསུང་པ་

ॐ॥ म सुवचयेत् ॥ यद्वचपयुक्तेन पावन परममममम ॥

ॐ॥ जयंति ॥ कृपयन्ति सुवचपयुक्तेन पावन परममममम ॥

ॐ॥ जयंति ॥ कृपयन्ति सुवचपयुक्तेन पावन परममममम ॥

ॐ॥ जयंति ॥ कृपयन्ति सुवचपयुक्तेन पावन परममममम ॥

ॐ॥ जयंति ॥ कृपयन्ति सुवचपयुक्तेन पावन परममममम ॥

[illegible]





ॐ । विष्णुसप्तशतनामस्तोत्रम् ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।



ॐ । अहंकाराय नमः ।
 देवि देवि । देवि देवि ।
 देवि देवि । देवि देवि ।
 देवि देवि । देवि देवि ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ । अथारण्यमधुसूतवृक्षस्यैवमपि । देवस्यैवैतद्विषयम् । ३५ ।

ॐ कस्यैवमधुसूतवृक्षस्यैवमपि । देवस्यैवैतद्विषयम् । ३५ ।

ॐ कस्यैवमधुसूतवृक्षस्यैवमपि । देवस्यैवैतद्विषयम् । ३५ ।

ॐ कस्यैवमधुसूतवृक्षस्यैवमपि । देवस्यैवैतद्विषयम् । ३५ ।

ॐ कस्यैवमधुसूतवृक्षस्यैवमपि । देवस्यैवैतद्विषयम् । ३५ ।

ॐ कस्यैवमधुसूतवृक्षस्यैवमपि । देवस्यैवैतद्विषयम् । ३५ ।

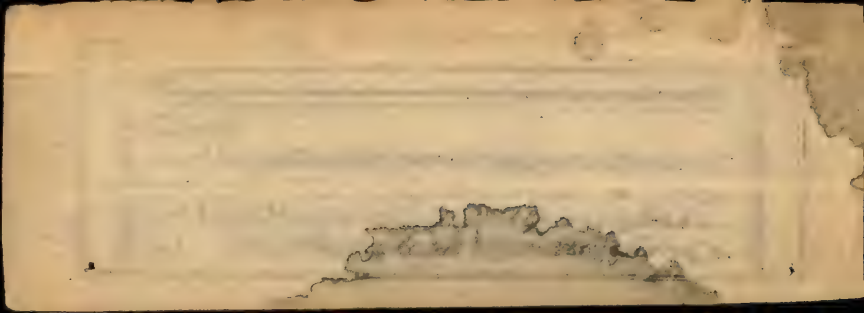
अहंकारोऽसौ कर्मसंघटनस्य हृदये पञ्चमः प्रदीपः ॥ येन वेदमार्गस्य पथं दृष्ट्वा तद्व्यापरीशुद्धिः ॥
शुद्धिर्देवदत्तादिभिरुक्तं पदं तु यत्तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ शुद्धिपथस्य पञ्चमः पदं तद्व्यापरीशुद्धिः
पदं ॥ पञ्चमपदीशुद्धिपदं तु यत्तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः
पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः
पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः
पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः ॥ पदं तद्व्यापरीशुद्धिः स पदं तद्व्यापरीशुद्धिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥



༡༡ । མཁོན་དཀ་དཔོད་པའི་མཛོད་ལུ་མཁོན་པོ་ལྟ་བུ་ལྟུགས་སོ།

[illegible]



九九

॥ सुप्रसन्नोऽवतारोऽयं ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

अथ रज्जुग

। अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥ अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥

अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥ अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥

अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥ अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥

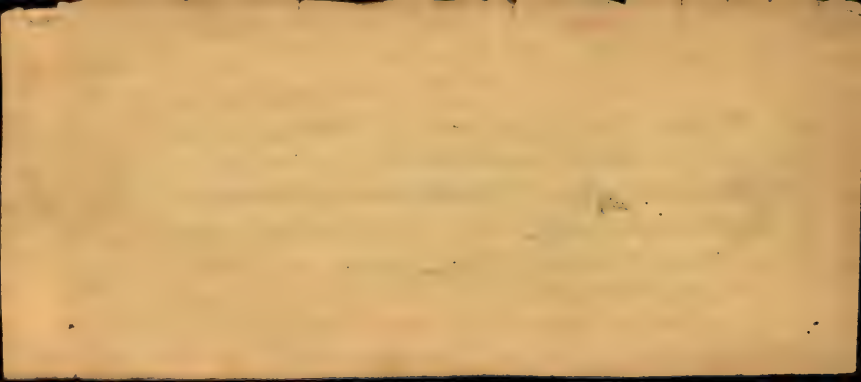
ॐ

अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥ अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥

अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥ अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥

ॐ

अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥ अथ रज्जुगद्वयस्य चतुर्विधम् ॥



ཕྱག་འདེད། །གནས་བརྟན་ལྷན་མཆོད་ཐུགས།

༡༡། རལྱའི་དང་བཅས་པ་གནས་འདིར་གསེགས་སུ་གསོལ། ། ཕྱགས་བརྩེ་
 རྒྱལ་བ་སྤེལ་བཅས་བཅས་ཅད་དང་། ། རྩེས་རབ་མེ་འབར་རྩོམ་མེད་སེམས་མཆོ་སྒྲུབ་
 རྒྱུ་ལྡན་རྩོམ་གྲོལ་བསོད་ནམས་རྒྱེད་དུ་ཡགས་བསྟོད་པའི། ། ཕྱགས་བརྩེ་ཉན་
 རོས་དག་འདུལ་བ་བླགས་སོ་འཛེལ། ། ཡོན་སྦྱར་མཆོད་པའི་གནས་སུ་སྦྱོར་འདྲན་
 འོ། ། རྩེ་བའི་དོན་སྦྱར་མཆོད་ཀྱིས་གསེགས་སུ་གསོལ། ། རྩེ་བའི་མགོན་པོ་
 རྒྱུ་ལྡན་པའི་ཡིས། ། སྤེལ་རྒྱལ་བསྟོན་པ་གང་གི་ཕྱག་ཏུ་བཞག། ཡགས་རབ་
 རྩོམ་མེད་སྒྲོལ་གྱི་ཁ་འབྱེད་པ། ། མེས་སྦྱོར་དག་བཅོམ་ཆེན་པོ་བླགས་སོ་འཛེལ། །

དམ་ཆོས་སྒྲུབ་པའི་སྤྲུལ་སྤྱུང་གྱི་མཆོད་ཀྱིས་གཤེགས་སྤྱད་པའོ།
 རྒྱལ་པོས་བཀའ་བསྒྲུབ་པའི་ཁྱེད་མཆོད་འཛིན། ། ལམ་ལག་འཁྱུང་དང་མ་ལམ་མ་གསུམ་
 བ་གསུམ། ། རུས་ལྡན་རྩི་མའི་ཐུབ་བྱ་དང་། ། གསེར་ཐེང་རྩྱ་རྩྱ་རྩྱ་གསེར་ཕྱོགས་ཆོག །
 འཕགས་པ་པ་གྲུ་པ་དང་སྤྱུ་གཙན་འཛིན། ། ལམ་ལྡན་རྩྱ་རྩྱ་རྩྱ་ལོང་སྤོངས་འཛིན། ། ལམ་
 ཐེང་གྲུ་འི་སྤྱུ་སྤྱུ་སྤྱུ་སྤྱུ་སྤྱུ་པ། ། འཁོར་དང་བཅས་པ་གསུམ་འདིར་གཤེགས་སྤྱད་པའོ།
 སྤངས་དང་ཡེ་ཤེས་ལྡན་ཆོག་སྤངས་སྤངས་ཀྱིས་ཀྱང་། ། གཏུལ་བྱའི་དབང་གིས་ཉན་ཐོས་ཆུང་པ་
 འཛིན་པ། ། ཁྱེད་པར་ཉན་གྱི་འཕྲིན་ལས་ཆོས་སྤྱོད་པའི། ། གནས་པར་ཐུ་རྩྱ་གཏུ་འདིར་བྱོན་

[illegible]

ཅིག་ཉིད་ལ་འཆར་བ་གང་། ། གྲུ་མ་རིན་ཆེན་ལྟ་བུའི་སྒྲུ། ། དེ་ཅེ་ཅན་ཞབས་པད་ལ་འདུད། ། བསྐྱེད་
 པ་རྒྱལ་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲུབས། ། མགོན་པོ་ཐུགས་རྗེ་ཆེ་ལྟོན་པ། ། བཅས་ཅད་མ་ཁྱེན་པར་སྒྲུབ་པ་
 རྟེན། ། བསོད་ནམས་ཡོན་ཏན་རྒྱལ་མཆོད་ཞིང་། ། དེ་བཞིན་གསེགས་པ་ཐུག་འཆེལ་ཡོ། ། བསྐྱེད་
 པ་རྒྱལ་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲུབས། ། དག་བས་འདོད་ཆགས་བྲལ་པར་གྱུར། ། དག་བས་དན་སྤོང་
 ལས་གྲོལ་ཅིང་། ། གཅིག་ཏུ་དེའི་དམ་མཆོག་གྱུར་པ། ། ཞི་གྱུར་ཆོས་ལ་ཐུག་འཆེལ་ཡོ། ། བསྐྱེད་
 པ་རྒྱལ་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲུབས། ། གྲོལ་ནས་གྲོལ་བའི་ལམ་ཡང་སྒྲོན། ། བསྐྱེད་པ་དག་ལ་རབ་
 ཏུ་གྲོས། ། ཞིང་གི་དམ་པ་ཡོན་ཏན་ལྟོན། ། ཆོགས་མཆོག་དག་འདུན་ལ་ཐུག་འཆེལ། ། བསྐྱེད་

ལྟ། །པ་རྒྱལ་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲོབས། །ལམས་གསུམ་པ་ཡི་འགྲོ་ལུན་གྱི། །དཔལ་ལྡན་གམས་
 ཅད་སྤྱོད་མཛད་པ། །ཆོས་སྤྱི་འཁོར་ལོ་བསྐྱོར་མཛད་པའི། །ཤུགས་དེ་གེ་ལ་འདུད། །འཕྱུག
 པ་རྒྱལ་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲོབས། །ཉེས་པ་ལུན་ལས་རྒྱལ་གྱོ་ལ་ཅིང་། །ཡོན་ཏན་ལུན་གྱིས་བརྒྱུན་
 པ་པོ། །སེམས་ཅན་ལུན་གྱི་གཉེན་གཅིག་ལུ། །ཐམས་ཅད་མ་ཉེན་ལ་ཕྱག་འཆོལ་ལོ། །འཕྱུག་
 པ་རྒྱལ་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲོབས། །གང་གིས་སྤྱོད་དང་འཛིག་པ་དག། རྒྱལ་འདི་ཡིས་ཁྱི་སྤུལ་གྱིས་
 པད། །ཉེན་ཅིང་འབྲེལ་པར་འབྱུང་གསུང་པའི། །ཐུབ་དབང་དེ་ལ་ཕྱག་འཆོལ་ལོ། །འཕྱུག་པ་
 གྱིས་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲོབས། །མཚུངས་མེད་བཟླ་བས་མི་རོམས་གིང་། །གསེར་གྱི་མདོག་ཅན་

ཐུག་

མཛེས་པའི་སྒྲུ། །ཞལ་གཅིག་ཕྱག་གཉིས་སྒྲིལ་གྲུང་བཞུགས། །སྤ་གཞོན་མཉམ་གཞིག་མཛེས་
ཕྱག་འཆོལ། །བསྟན་པ་རྒྱས་པར་བྱིན་གྱིས་བློབས། །གངས་རི་ཆོན་པོ་རིམ་ལ། །འཕགས་པ་
གནས་བརྟན་ཡན་ལག་འབྱུང་། །དབྱ་བཅོས་སྟོང་དང་རྒྱལ་བརྒྱས་བསྟོར། །སྟོས་པོར་རྩ་ཡག་འཛིན་
ཕྱག་འཆོལ། །བསྟན་པ་མ་རྩུ་སྟོང་རི་ཡི་རོལ་ཤེལ་ན། །འཕགས་པ་གནས་བརྟན་མ་ཡམ་པ། །
དབྱ་བཅོས་བརྒྱུ་ཕྱག་གཅིག་གིས་བསྟོར། །ཕྱག་གཉིས་མཉམ་གཞིག་མཛེས་ཕྱག་འཆོལ། །བསྟན་
པ་མ་ལོ་མ་བརྟན་པའི་རི་ཕྱག་ན། །འཕགས་པ་གནས་བརྟན་ནགས་ན་གནས། །དབྱ་བཅོས་སྟོང་
དང་བཞི་བརྒྱས་བསྟོར། །སྟོགས་མཛུགས་ཡག་འཛིན་ཕྱག་འཆོལ། །བསྟན་པ་མ་འཛུགས་བྱ་སྟོང་

[illegible]

ne

[illegible]

༡༡། །སྒྲུབ་པ་ལེན། །དབྱ་བཅོམ་སྟོང་ཕྱག་གཅིག་གིས་བསྟོར། །སྟེགས་བཅ་ལྷུང་བ་ཅེད་འཛིན་
 ཕྱག་འཛུགས། །བསྟོན་པ་མ ལྷ་གནས་སྤྱུལ་རུ་ཅུ་གསུམ་ན། །འཕགས་པ་གནས་བརྟན་ལས་བསྟོན་
 བྱི། །དབྱ་བཅོམ་ཆེན་པོ་དབྱ་བརྟན་བསྟོར། །སྟེགས་བཅ་ཆོས་འཆད་མཛད་ཕྱག་འཛུགས། །བསྟོན་
 པ་མ རི་ཡི་རྒྱལ་པོ་དེས་ཡངས་ལ། །འཕགས་པ་གནས་བརྟན་སྤྱི་ལྟེ། །དབྱ་བཅོམ་སྟོང་དང་
 ཉིས་བརྟན་བསྟོར། །ལུས་པ་འཁར་བས་ལའངས་ཕྱག་འཛུགས། །བསྟོན་པ་མ རི་ཡི་རྒྱལ་པོ་བེ་རུ་
 ལ། །འཕགས་པ་གནས་བརྟན་ཅེད་ཅེད་ནི། །དབྱ་བཅོམ་སྟོང་དང་བཞི་བརྟན་བསྟོར། །ཕྱག་གཉིས་
 སྟེགས་བཅ་འཛིན་ཕྱག་འཛུགས། །བསྟོན་པ་མ གངས་ཙམ་རི་ཡི་རྒྱལ་པོ་ལ། །འཕགས་པ་གནས་

ལྷ

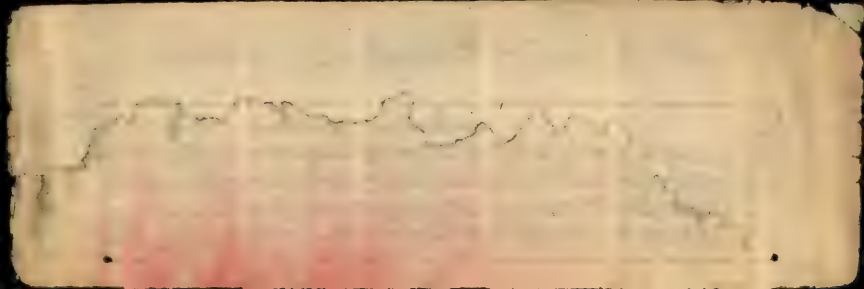
བརྟམ་མི་ཕྱེད་པ། །དག་བཅོམ་སྟོང་ཕྱག་གཅིག་གིས་བསྐྱོར། །ཕྱང་ཆུ་བཟའ་ཆོད་རྟེན་འཛིན་ཕྱག་
འཛུལ། །བསྟན་པ་X དག་བསྟོན་རྣམས་ལ་ནི། །རལ་པའི་གྲོད་བཅོམ་གྱིགས་བཟའ་འཁུར། །
སྤང་བས་གཏེར་ཡས་མཐུན་གནས་ནིང་། །རྩ་ཡབ་བུམ་པ་འཛིན་ཕྱག་འཛུལ། །བསྟན་པ་X
ཡུལ་འཁོར་སྤང་དང་འཕགས་སྟེས་པོ། །སྟོན་མི་བཟང་དང་རྣམ་གྲོས་སྟེས། །རང་རང་འཁོར
འདུལ་སྟོན་བཞི་བསྟུང་། །རྩ་ཡའི་ཆོད་བཞི་ལ་ཕྱག་འཛུལ་ལོ། །བསྟན་པ་X ཕྱག་བྱར་ལོས་བ་
གམས་ཅད་ལ། །ཞིང་རྩལ་ཁུན་གྱི་གྲུང་སྟེང་གི། །ལུས་བརྟུང་པ་ཡིས་རྣམ་ཁུན་རྩུ། །མཆོག་
རྩུ་དང་བས་ཕྱག་འཛུལ་ལོ། །བསྟན་པ་རྩུ་པར་བྱིན་གྱིས་སྟོབས། །ཕྱག་འཛུལ་བ་དང་མཆོད་

ཐཱ་། ཁྱེད་པལ་གསལ་པ་དང་། རྗེས་སུ་ཡིར་པ་ལྟར་ཞིང་གསལ་བ་ཡི། འདྲེ་བ་ཕུང་ཟད་པ་དག་
 གིས་ཅི་པལ་གསལ་པ། བཅས་ཅད་པ་དག་གིས་ཕུང་ཕྱི་ལྟར་ཕྱིར་བུ་ལོ། ། མངས་ཀྱིས་སྐྱུ་པ་
 པ་དང་བཅོམ་འཕགས་པ་འི་ཚོགས། འཕྲོ་བའི་དོན་དུ་བསྐྱེད་པ་སྒྲིང་མཛད་པ། འདོན་མཛོག་
 གསུམ་དངོས་གནས་བརྟན་པ་ཕུང་ཕྱི་ལྟར་གིས། བསྐྱེད་པ་ཡུན་རིང་གནས་པར་བྱིན་གྱིས་སྒྲོལ་པ། །
 ཐཱ་གསལ་རྗེས་པ་དག་ཅིང་གནས་བརྟན་པ་ཕུང་ཕྱི་ལྟར་གི། འཕྲོ་བའི་ཚོགས་སྒྲིང་མཛོག་པས་བཅས་པ་ཅིན་
 མཛོག་མཛོག་ཅི་དང་ཕྱི་ལྟར་སྒྲིང་བཞི་བཅོམ་ཚོགས་ཀྱིས། བསྐྱེད་པ་ཡུན་རིང་གནས་པར་
 བྱིན་གྱིས་སྒྲོལ་པ། བཅས་ཅད་ལུ་བྱི་གསལ་ཕུང་དང་བཅོམ་པ། འི་ག་དང་ཞབས་ལྟར་སྐྱེ་བའི་

ཕྱིན་གནས་ཆེ། །འཕགས་པའི་གང་བྱ་གཞེན་པོ་ཁྱེད་ཆོས་ཀྱིས། །བསྐྱེད་པ་ཡུལ་རིང་གནས་པར་
 ཕྱིན་གྱིས་སྒྲོལ་ས། །བདག་གཞན་དག་པའི་རྩ་བ་འདི་ཡི་མ་གུས། །ཡན་མདའི་འབྱུང་གནས་བསྐྱེད་
 པ་འཕེལ་གྱུར་ཅིག །རྒྱ་ག་བསྐྱེད་ཀྱིན་འབྱུང་མ་ལུས་རབ་སྒྲུང་སྤེལ་ནས། །སྤྱིད་པའི་རྩ་མཆོ་རྒྱུར་དུ་
 སྒྲེལ་པར་ཤོག །བསོད་ནམས་རྩ་མཆོ་ཡོངས་སུ་སྒྲོལ་གས་གྱུར་ཅིང་། །ཡེ་ཤེས་རྩ་མཆོ་རྣམ་པར་
 ཉག་གྱུར་ཏེ། །ཡོན་ཏན་རྩ་མཆོ་མ་ལུས་སྒྲོལ་གས་ནས། །འཛིག་རྟེན་སྒྲོལ་ལས་ཁྱེད་པར་འཕགས་
 པར་ཤོག །ཆོག་ས་གཉིས་མཐར་ཕྱིན་ཏུ་གསུམ་རྩུལ་བ་ཡི། །འཕྱིན་ལས་སྐྱབ་ཅིང་ཡོན་ཏན་
 རྣམ་དཔྱེར་མེད། །སྐལ་བཟང་ཉམ་པའི་གདུལ་བྱ་སྤྲོས་མཛད་པའི། །མཉམ་མེད་བྲམ་མཆོག་གི་

ॐ॥ । वसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः ।
 ॐ॥ । वसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः ।
 ॐ॥ । वसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः ।
 ॐ॥ । वसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः ।
 ॐ॥ । वसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः । दसः शिखः शिखः ।

ॐ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

601

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ཐུགས་ཀྱིས་དག་པའི་དམ་ཞིག་ནས་བརྟུང་བས་ན། ། བདག་པུར་དཔལ་ཐུང་བ་དེས་ཀྱང་ཕྱོད་ཐུགས་ཀྱིས་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गच्छति च तद्दशरूपं प्रपद्यते ॥

ཡུངས་ཆེན་ཡང་མི་འདྲིམ་རིགས་ཀྱི་ལྷན་པུན་རལ་པ་ཅིང་མོད་ཀྱི།། ལྷོད་ཕྱོད་ལྷོས་པ་---ཆོས་ཀྱི་དབྱིད་ལས་ལྷ་ཨ།

པར་ཁྱིའི་དགོངས་པ་ནི། བདེ་བ་མཆོག་གིས་རྟག་རྟག་ཕྱུང་བ་ཞི་བྱས་པོ་བ་མེད་ལ་ཕྱག་པུགས་པུ་པུ་པུ།

[illegible]

[illegible]

۱۴۱

[illegible]

[illegible]

90

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ । क्रमः सप्तः । अथ
पञ्चमः । अथ सप्तः । अथ सप्तः ।
अथ सप्तः । अथ सप्तः । अथ सप्तः ।
अथ सप्तः । अथ सप्तः । अथ सप्तः ।
अथ सप्तः । अथ सप्तः । अथ सप्तः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । राक्षसकुलदण्डकुल
समस्यारक्षससमुद्रपुत्राश्च कुलपति
रद्वैतान्नपदमावीक्ष्य सद्यस्मिन्महा
पुरुषे भद्राक्षसमन्त्रे पितृकुलपुत्रकुल
पुत्रोऽयमर्थोऽयं दत्तस्य पुत्रोऽयं भद्राक्षस्य पुत्रोऽयं ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । एवमुवाच अर्जुनः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

24

[illegible]

[illegible]

天

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यद्वाक्यं ब्रह्मसूत्रम् ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सोः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

... १५ ...
... १६ ...
... १७ ...
... १८ ...
... १९ ...
... २० ...
... २१ ...
... २२ ...
... २३ ...
... २४ ...
... २५ ...
... २६ ...
... २७ ...
... २८ ...
... २९ ...
... ३० ...

卷之四

[illegible]

[illegible]

229

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १८ ॥

[illegible]

[illegible]

अहं देवे स मेव। देवे स यमपरे देव मे स मे॥ देवे देवे स मे॥ स्वयं देव देव देव मे स पदे स पदे॥
नर पारम पदे॥ नर पारम पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥
पदे स पदे स पदे॥ पदे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥
देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥
देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥
देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥
देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥ देव देव देव देव मे स पदे स पदे॥

卷之二

[illegible]

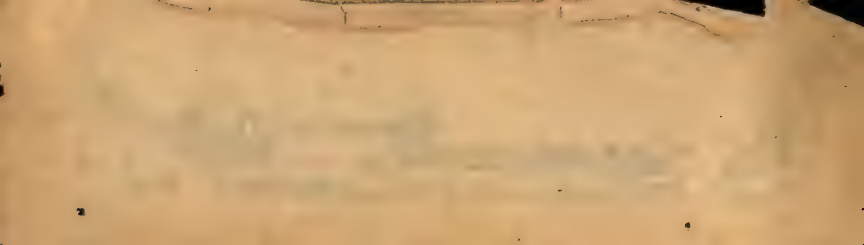
[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐॐॐ। । प्रवचन
दत्तमस्तु नमो भगवते वासुदेवाय
दत्तम् । श्रीगणेशाय नमः

७१

अथोक्तं दत्तं यो विदुः कुरु । वादस्तु यद्विदुः कुरु
यथा वा वक्तुम् । । उक्तं यथा वा दत्तं विदुः कुरु ।
यथा वा वक्तुम् । । उक्तं यथा वा दत्तं विदुः कुरु ।
यथा वा वक्तुम् । । उक्तं यथा वा दत्तं विदुः कुरु ।
यथा वा वक्तुम् । । उक्तं यथा वा दत्तं विदुः कुरु ।

29

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । गुरुभ्यः । ध्यात्वा परं देवैः कुरु कुरु परं सुखम् । हे देवैः
परं सुखं देवैः कुरु कुरु कुरु । पापं दत्तं मे दत्तं कुरु कुरु कुरु
परं सुखं मे । पुण्यं मे देवैः कुरु कुरु कुरु सुखं मे पुण्यं मे । देवैः
सुखं मे दत्तं मे देवैः कुरु कुरु कुरु सुखं मे । पुण्यं मे दत्तं मे पुण्यं मे
देवैः सुखं मे पुण्यं मे सुखं मे । सप्तर्षिर्देवैः सुखं मे पुण्यं मे

॥ अथ द्वादशोऽङ्कः ॥
अथ त्रयोदशोऽङ्कः
अथ चतुर्दशोऽङ्कः
अथ पञ्चदशोऽङ्कः
अथ षष्ठ्यष्टमौऽङ्काविति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्री कृष्णाय नमः ।
 श्री गुरुभ्यो नमः ।
 श्री शिवाय नमः ।
 श्री ब्रह्माय नमः ।
 श्री विष्णवे नमः ।
 श्री महेश्वराय नमः ।
 श्री सूर्याय नमः ।
 श्री चन्द्राय नमः ।
 श्री मङ्गलाय नमः ।
 श्री बुधाय नमः ।
 श्री शुक्राय नमः ।
 श्री मङ्गलाय नमः ।
 श्री बुधाय नमः ।
 श्री शुक्राय नमः ।
 श्री मङ्गलाय नमः ।
 श्री बुधाय नमः ।
 श्री शुक्राय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । वस । प्रियं नमः पद्मं दत्तं सत्तु वरदा देवि ।
श्री गुरुदेव कृपया शुकं प्रीतिं प्रदत्तवान् । वसिष्ठा उवाच । सत्तु
वसिष्ठा उवाच । प्रदत्तं सत्तु वरदा देवि । वसिष्ठा
वरदा देवि । पद्मं दत्तं सत्तु वरदा देवि । वसिष्ठा
कृपया शुकं प्रीतिं प्रदत्तवान् । वसिष्ठा उवाच । सत्तु
वरदा देवि । पद्मं दत्तं सत्तु वरदा देवि । वसिष्ठा

[illegible]

ॐ । । श्री । ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥
ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ । केवले कुक्कदमेदयम् । इवयन्दीपि दत्ते स
मस्य च वन्दे वसन्तम् । । बुद्धिवाद्द्वैतं द्वैतं च यन्दीपि
दत्तम् । । सुखं सुखं च यन्दीपि दत्तम् । । यत्तु
वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे । । वाददुष्पदं वन्दे
वन्दे । । इदं वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे वन्दे । ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ २ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ ३ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ ४ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ ५ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ ६ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ ७ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ ८ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ ९ ॥
 क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः क्लृप्ताः ॥ १० ॥

藏
經

ॐ । पद्मसुते ३२ पुद्गलस्य । ३२ पुद्गलस्य कर्मस्य
३२ पुद्गलस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य
३२ पुद्गलस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य
३२ पुद्गलस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य
३२ पुद्गलस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य
३२ पुद्गलस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य कर्मस्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यो नमः ॥ १० ॥

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

92329



ॐ । सुप्रसन्नम् । तत्तुष्टु सुप्रसन्नम् ।
सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् ।
सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् ।
सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् ।
सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् । सुप्रसन्नम् ।



[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवा
 दप्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ३ ॥ तदा द्रुपद उवाच ॥
 सौमेन्द्रियं वीर्यवान्द्रुपदं प्रह्लादं च यथात्मना ॥ ४ ॥ तदा भीम उवाच ॥
 हस्ते धारयात्तं शूराणां महेष्वाहा ॥ ५ ॥ तदा युधिष्ठिर विश्वामित्रं बभूवुः
 पुराणविदं महात्मनः ॥ ६ ॥ तदा भीम उवाच ॥ अश्वत्थामो मेघनादस्तथा
 ॥ ७ ॥ तदा युधिष्ठिर उवाच ॥ अश्वत्थामो मेघनादस्तथा ॥ ८ ॥ तदा भीम उवाच ॥
 अश्वत्थामो मेघनादस्तथा ॥ ९ ॥ तदा युधिष्ठिर उवाच ॥ अश्वत्थामो मेघनादस्तथा ॥ १० ॥

12

1. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सोः पांडवो रजसूजितः ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सोः पांडवो रजसूजितः ।

[illegible]

[illegible]

१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥

अर्जुन उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥

अर्जुन उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥

अर्जुन उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥

अर्जुन उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भगवन् पापं कुरुष्व मे नृप ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥
अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥
अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥
अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥
अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥
अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥ अर्जुनस्य भ्रातृकत्वं ॥

॥ अथ च वदन् त्रुवन् वदन् अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥

वदन् वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥

वदन् वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥

वदन् वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥

वदन् वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥ अथ च वदन् ॥

མ་ཆ་ནཔ་པོ་ལ་དང་། མ་དེད་དཔ་པོ་ལ་དང་། བཟ་ཕྱུག་པ་དང་། མ་དཔ་པ་དང་། ལ་པ་ཕྱུག་པ་
ཕྱུག་པ་དང་། མེ་ལ་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་
ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་
ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་
ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་
ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་དང་། ཕྱུག་པ་

७०। । नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

५७। ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥
 अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥
 अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥
 अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥ अं कृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥
१८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ शृणु मे भगवन् ॥ कुरुष्व मे वदस्व मे ॥
शृणु मे भगवन् ॥ कुरुष्व मे वदस्व मे ॥ शृणु मे भगवन् ॥
कुरुष्व मे वदस्व मे ॥ शृणु मे भगवन् ॥ कुरुष्व मे वदस्व मे ॥
शृणु मे भगवन् ॥ कुरुष्व मे वदस्व मे ॥ शृणु मे भगवन् ॥
कुरुष्व मे वदस्व मे ॥ शृणु मे भगवन् ॥ कुरुष्व मे वदस्व मे ॥
शृणु मे भगवन् ॥ कुरुष्व मे वदस्व मे ॥ शृणु मे भगवन् ॥
कुरुष्व मे वदस्व मे ॥ शृणु मे भगवन् ॥ कुरुष्व मे वदस्व मे ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Handwritten text in the left margin, possibly a date or reference.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 10 lines. The text is written in a cursive style and includes various characters and symbols.

Handwritten text in the right margin, possibly a signature or additional notes.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवत्पुत्रः ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं चिन्तयन् सर्वं भगवत्पुत्रः ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 अर्जुनं धनुर्धरं तं शूराग्रजो वीरवान् ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यथा मुनिर्ब्रह्मात्मनोऽपि ॥
तथा मुनिर्ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥
तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥
तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥
तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥
तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥ तथैव ब्रह्मात्मनोऽपि ॥

[illegible]

ॐ । कर्मणः । दण्डेन तस्मिन्पुनरावृत्तेः । अस्मिन्मन्त्रेण विष्णोः शक्तिरुपलब्धाय । ॐ नमः ।
ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः ।
ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः ।
ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः ।
ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः । ॐ नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

